ओ३म्

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

यू0जी0सी0 अधिनियम 1956 धारा–3 के अंतर्गत मानित
विश्वविद्यालय

ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

आधृतः स्नातकोत्तर एम0ए0
(ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड)
(द्विवर्षीय पाठ्यक्रम)
चार सेमेस्टर

ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (एम0ए0)

(M.A. Jyotirvigyan evem Vidik Karmakand)

CBCS आधृतः पाठ्यक्रम

अवधि – दो वर्ष/चार सत्र

प्रवेश योग्यता – वेदालंकार, विद्यालंकार, बी0ए0, बी0कॉम0, बी0एस0सी0, शास्त्री या आचार्य उत्तीर्ण या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण

विशेष – संस्कृत, गणित अथवा विज्ञान विषय में स्नातक कक्षा उत्तीर्ण अथवा स्नातक कक्षा के साथ ज्योतिष कर्मकाण्डीय पी.जी. डिप्लोमा धारक छात्र को प्राथमिकता दी जायेगी।

एम0ए0 ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग (प्रथम वर्ष)
प्रथम एवं द्वितीय सत्र

प्रथम वर्ष प्रथम एवं द्वितीय दो सत्रों में विभक्त है। प्रथम सत्र में चार लिखित तथा एक प्रयोगात्मक पत्र होगा। द्वितीय सत्र में भी चार लिखित तथा एक प्रयोगात्मक पत्र होगा। इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय सत्र में (08 लिखित+02 प्रयोगात्मक) 10 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा, जिसमें 70 अंक लिखित परीक्षा तथा 30 अंक सत्रीय मूल्यांकन के होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभक्त होंगे।

(A) खण्ड में 10 प्रश्न पूछे जायेंगे उसमें से 5 प्रश्न का उत्तर देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के छः अंक होंगे।

(B) खण्ड में 8 प्रश्न पूछे जायेंगे उसमें से 4 प्रश्न का उत्तर विस्तार से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के दस अंक होंगे।

एम0ए0 ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग (द्वितीय वर्ष)
तृतीय एवं चतुर्थ सत्र

द्वितीय वर्ष तृतीय एवं चतुर्थ दो सत्रों में विभक्त है। तृतीय एवं चतुर्थ सत्रों में चार–चार लिखित तथा एक–एक प्रयोगात्मक पत्र होंगे। तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में ज्योतिर्विज्ञान वर्ग का प्रथम पत्र अनिवार्य होगा तथा वैकल्पिक पत्रों में से किसी एक पत्र का चयन विभागाध्यक्ष के परामर्श से करना होगा, उसी प्रकार वैदिक कर्मकाण्ड विषय का प्रथम पत्र अनिवार्य होगा तथा वैकल्पिक पत्रों में से किसी एक पत्र का विभागाध्यक्ष के परामर्श से चयन करना होगा। प्रश्न पत्र का स्वरूप प्रथम वर्ष के तुल्य ही होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन अंक प्रक्रिया विवरण

कक्षा परीक्षा – 20 अंक
नियत कार्य – 05 अंक
उपस्थिति – 05 अंक

प्रश्न पत्र – MJY-C101 ✓ अर्जिताधिभार 06 35

एम.ए. प्रथम–सत्र

ज्योतिषशास्त्र का इतिहास 70+30=100 पूर्णांक

JYOTISHA SHASTRA KA ITIHASA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

खण्ड–1 ज्योतिष शास्त्र की परिभाषा एवं क्रमिक विकास, ज्योतिष के स्कन्धों का परिचय, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव स्थान, काल, महत्त्व एवं उपयोगिता

खण्ड–2 ज्योतिष शास्त्र के प्राचीन आचार्यों के ग्रन्थ एवं उनका परिचय, आर्यभट्ट प्रथम, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य, आचार्य लगध, गणेशदैवज्ञ एवं कल्याणवर्मा

खण्ड–3 ज्योतिषशास्त्र, कालगणना–मास, ऋतु, अयन, वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, नक्षत्र, राशि, सौरमास, चान्द्रमास, सावनदिन, गोल, योगविचार, अमावस्या

खण्ड–4 वेदांग के रूप में ज्योतिष शास्त्र की उपादेयता विषयक विविधमतों की समीक्षा

खण्ड–5 फलितज्योतिष का स्वरूप–विमर्श

सन्दर्भग्रन्थ :

1. भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–गोरख प्रसाद, हिन्दी संस्थान, लखनऊ
2. भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
3. विश्वविजय पंचांग – हरदेव शास्त्री, विश्वविजय प्रकाशन
4. ज्योतिषशास्त्र का वास्तविक स्वरूप – स्वामी ब्रह्मनन्द
5. भारतीय ज्योतिष – बालकृष्ण दीक्षित, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
6. हमारा ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र – आचार्य हरिहर पाण्डेय, उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ

प्रश्न पत्र – MJY-C102 ✓ अर्जिताधिभार ~~06~~ 05

एम.ए. प्रथम–सत्र

गणितज्योतिष 70+30=100 पूर्णांक

GANITA JYOTISHA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 ग्रहलाघव मध्यमाधिकार
खण्ड–2 स्पष्टाधिकार
खण्ड–3 ग्रहलाघव–चन्द्रग्रहणाध्याय
खण्ड–4 ग्रहलाघव–सूर्यग्रहणाध्याय
खण्ड–5 ग्रहलाघव– ग्रहछायाधिकार एवं शकादहर्गणद्यानयनाधिकार

सन्दर्भग्रन्थ :

1. ग्रहलाघव–केदारदत्त जोशी, प्रकाशन–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. ग्रहलाघव – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. ग्रहलाघव – सीताराम झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द्र शास्त्री

प्रश्न पत्र – MJY-C103 ✓ अर्जिताधिमार 06 05

एम.ए. प्रथम–सत्र

वेद एवं ब्राह्मण 70+30=100 पूर्णांक

VEDA EVAM BRAHMNA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 वेद
घटक–1 वेद का परिचय, शाखाएँ, रचनाकाल एवं महत्व **घटक – 2 ऋग्वेद का परिचय एवं प्रतिपाद्यविषय** **घटक – 3 यजुर्वेद का परिचय एवं प्रतिपाद्यविषय** **घटक – 4 सामवेद का परिचय एवं प्रतिपाद्यविषय** **घटक – 5 अथर्ववेद का परिचय एवं प्रतिपाद्यविषय**
खण्ड–2 ऋग्वेदीय ब्राह्मण
घटक–1 ब्राह्मण का अर्थ, संकलन काल, वेदत्व एवं महत्व का प्रतिपाद **घटक – 2 ऋग्वेदीय ब्राह्मणों का परिचय एवं अनुपलब्ध ब्राह्मण** **घटक – 3 ऋग्वेदीय ब्राह्मणों के प्रतिपाद्याविषय का प्रतिपाद**
खण्ड–3 यजुर्वेदीय ब्राह्मण
घटक–1 यजुर्वेदीय ब्राह्मणों का परिचय एवं अनुपलब्ध ब्राह्मण **घटक – 2 यजुर्वेदीय ब्राह्मणों के प्रतिपाद्याविषय का प्रतिपाद**
खण्ड–4 सामवेदीय ब्राह्मण
घटक–1 सामवेदीय ब्राह्मणों का परिचय एवं अनुपलब्ध ब्राह्मण **घटक – 2 सामवेदीय ब्राह्मणों के प्रतिपाद्याविषय का प्रतिपाद**
खण्ड–5 अथर्ववेदीय ब्राह्मण
घटक–1 अथर्ववेदीय ब्राह्मणों का परिचय एवं अनुपलब्ध ब्राह्मण **घटक – 2 अथर्ववेदीय ब्राह्मणों के प्रतिपाद्याविषय का प्रतिपाद**

सन्दर्भग्रन्थ :

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, पोस्ट बाक्स नं0 1149, विशालाक्षी भवन (भूगर्भ तल) वाराणसी–21001
2. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
3. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
4. प्राचीन भारतीय इतिहास – एम. विन्टरनित्ज, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
5. वैदिक वांग्मय का इतिहास, भाग–3, पं0 भगवद्दत, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द 4408, नई सड़क, दिल्ली 11006

प्रश्न पत्र – MJY-C104 ✓ अर्जिताधिमार ~~06~~ 05

एम.ए. प्रथम–सत्र

यज्ञविधान 70+30=100 पूर्णांक

YAGYA VIDHANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 कर्मकाण्डविषयक अधिकार, यज्ञीय देश एवं कालवेद
घटक–1 (क) चातुर्वर्ण्य के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा घटक 1 (ख) आश्रमियों के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा घटक 1 (ग) स्त्री के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा
घटक–2 यज्ञीय स्थान की विवेचना
घटक–3 (क) यज्ञीय काल की विवेचना घटक 3 (ख) यज्ञीय काल के सन्दर्भ में ऋतु का महत्व घटक 3 (ग) यज्ञीय काल के सन्दर्भ में नक्षत्र का महत्व
खण्ड–2 पंचभू संस्कार एवं याज्ञिक उपकरण
घटक–1 (क) पंचभ संस्कार की विधि घटक 1 (ख) पंचभ संस्कार का प्रयोजन
घटक–2 याज्ञिक उपकरणों का परिचय एवं प्रयोजन
खण्ड–3 हविर्द्रव्य एवं यज्ञों में मन्त्रविनियोग
घटक–1 (क) हविर्द्रव्य का विवेचन घटक 1 (ख) ऋतु के अनुसार हविर्द्रव्य का विवेचन
घटक–2 यागविशेष के आधार पर हविर्द्रव्यों का विवेचन
घटक 2 (क) यज्ञों में मन्त्रविनियोग का विवेचन
खण्ड–4 पुरुषसूक्त (ऋग् 10/90/1–10) एवं यजुर्वेदीय 160 अध्याय मन्त्र 1–10
घटक–1 (क) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 1 (ख) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 1 (ग) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
घटक–2 (क) यजुर्वेदीय 160 अध्याय (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 2 (ख) यजुर्वेदीय (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 2 (ग) यजुर्वेदीय (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
खण्ड–5 अग्निसूक्त (ऋग् 1/1) एवं शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6)
घटक–1 (क) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 1 (ख) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 1 (ग) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
घटक–2 (क) शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6 के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान) घटक 2 (ख) शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6 के मन्त्रों की व्याख्या

सन्दर्भग्रन्थ :

1. यज्ञ विमर्श – डॉ. रामप्रकाश
2. अग्निहोत्र सर्वस्व – स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती, प्रकाशक–समर्पण शोध संस्थान, 4/42, सेक्टर 5, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद 201005
3. याज्ञिक आचार संहिता– पं0 वीरसेन वेदश्रमी, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
4. संस्कारविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
5. याज्ञिक आचार संहिता – पं0 वीरसेन वेदश्रमी, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
6. वैदिक यज्ञदर्शन – आचार्य वैद्यनाथ शास्त्री, सैनी प्रिन्टर्स, पहाड़ी धीरज, दिल्ली–6

प्रश्न पत्र – MJY-C151 ✓ अर्जिताधिभार 02 04

प्रयोगात्मक (मौखिकी) 70+30=100 पूर्णांक

PRACTICAL (ORAL)

प्रयोगात्मक परीक्षा (मौखिकी) 70 अंक की होगी और 30 अंक का मूल्यांकन होगा।

ज्योतिर्विज्ञान और वैदिक कर्मकाण्ड प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रश्न पत्र – MJY-C201

अर्जिताधिभार 06 05

एम.ए. द्वितीय–सत्र

होराविधान

70+30=100 पूर्णांक

HORA VIDHANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 राशि, ग्रहस्वरूपाध्याय
खण्ड–2 जन्मलग्न, होरालग्न, भावलग्न एवं गुलिकलग्न साधन
खण्ड–3 षोडशवर्ग विधान
खण्ड–4 मैत्री, ग्रहबल एवं दशासाधन (योगिनी एवं विंशोतरी)
खण्ड–5 अरिष्ट, अरिष्टभंग एवं आयुर्दाध्यायविवेचन

सन्दर्भग्रन्थ :

1. बृहत्पराशरहोराशास्त्र – सीताराम झा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. बृहज्जातक – पं0 केशवदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. फलदीपिका हिन्दी टीकाकार – पं0 गोपेशकुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी
4. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. फलितज्योतिष – स्व0 देवकीनन्दन सिंह – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. बृहत्पराशर होरा शास्त्र – गणेश दत्त पाठक

प्रश्न पत्र – MJY-C202 ✓ अर्जिताधिभार ~~06~~ 05

एम.ए. द्वितीय–सत्र

जैमिनीसूत्र एवं वर्षफलविधान 70+30=100 पूर्णांक

JAMINI SUTRA EVEM VARSHPHALA VIDHANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 जैमिनिसूत्र–प्रथम एवं द्वितीय अध्याय के प्रथम पाद
खण्ड–2 जैमिनि–सूत्र–तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय के प्रथम पाद
खण्ड–3 पंचांगपरिचय, वर्षसाधन, ग्रहस्पष्ट एवं लग्नस्पष्ट
खण्ड–4 हर्षबल, पंचवर्गीबल एवं वर्षेश निर्णय
खण्ड–5 मुन्था, फल, षोडशयोग एवं प्रश्नविचार

सन्दर्भग्रन्थ :

1. जैमिनिसूत्रम् – डॉ. सुरेन्द्रचन्द्र मिश्र, प्रकाशन–रंजन पब्लिकेशन्स, 16, अंसारी रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली
2. ताजिकनीलकण्ठी–हरकिशन पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. वर्षफल–डॉ. चरक
4. शताब्दी पंचांग–वैकटेश्वर प्रकाशन, मुम्बई

प्रश्न पत्र – MJY-C203 अर्जिताधिभार 06

एम.ए. द्वितीय–सत्र

वैदिक यज्ञ विज्ञान 70+30=100 पूर्णांक

VEDIKA YAGYA VIGYANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 4x10=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 गृह्यसूत्र
घटक–1 (क) गह्यसूत्र परिचय घटक–1 (ख) गह्यसूत्रों का प्रतिपाद्यविषय
खण्ड–2 गृह्यसूत्र में वर्णित यज्ञ
घटक–1 (क) गह्यसूत्रों में वर्णित यज्ञों का सामान्य परिचय एवं महत्व
खण्ड–3 देवयज्ञ
घटक–1 (क) देवयज्ञ का परिचय एवं महत्व घटक–1 (ख) देवयज्ञ की विधि घटक–1 (ग) देवयज्ञ के मन्त्रों का स्मरण एवं व्याख्या
खण्ड–4 ब्रह्मयज्ञ, पितृयज्ञ, बलिवैश्वदेवयज्ञ एवं अतिथियज्ञ
घटक–1 (क) ब्रह्मयज्ञ का परिचय एवं महत्व घटक–1 (ख) ब्रह्मयज्ञ की विधि घटक–1 (ग) ब्रह्मयज्ञ के मन्त्रों का स्मरण एवं व्याख्या
घटक–2 (क) पितृयज्ञ का परिचय एवं महत्व घटक–2 (ख) पितृयज्ञ की विधि घटक–2 (ग) आधुनिक सन्दर्भ में पितृयज्ञ की उपादेयता
घटक–3 (क) बलिवैश्वदेवयज्ञ का परिचय एवं महत्व घटक–3 (ख) बलिवैश्वदेवयज्ञ की विधि घटक–3 (ग) बलिवैश्वदेवयज्ञ के मन्त्रों का स्मरण एवं व्याख्या
घटक–4 (क) अतिथियज्ञ का परिचय एवं महत्व घटक–4 (ख) अतिथियज्ञ की विधि घटक–4 (ग) वर्तमान सन्दर्भ में अतिथियज्ञ का महत्व
घटक–1 (क) गह्यसूत्रों में वर्णित यज्ञों का सामान्य परिचय एवं महत्व
घटक–2(क) यज्ञों में मन्त्रविनियोग का विवेचन
खण्ड–5 यज्ञों का वैज्ञानिक महत्व एवं वैशिष्ट्य
घटक–1 (क) यज्ञों का वैज्ञानिक महत्व का प्रतिपादन घटक–1 (ख) यज्ञों के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन

सन्दर्भग्रन्थ : 1. हिन्दू संस्कार–राजबली पाण्डेय
2. सन्ध्यायोग ब्रह्मसाक्षात्कार–ब्रह्मचारी जगन्नाथ पथिक, गोविन्दराम हासानन्द, नई दिल्ली
3. पंचयज्ञप्रकाश–स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
4. कर्मठ गुरु
5. आर्य पर्वपद्धति – पं0 भवानीप्रसाद
6. वैदिक विज्ञान एवं भारतीय संस्कृति–महामहोपाध्याय गिरिधर शर्मा, चतुर्वेदी
7. याज्ञिक आचार संहिता–वीरसेन वेदश्रमी, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, हरियाणा
8. ब्रह्मयज्ञ–गोविन्दराम हासानन्द, नई दिल्ली
9. यज्ञविमर्श – डॉ0 रामप्रकाश
10. पारस्करगृह्यसूत्र– डॉ0 वेदपाल, सत्यार्थप्रकाशन, कुरुक्षेत्र
11. वैदिक यज्ञदर्शन – आचार्य वैद्यनाथ शास्त्री, सैनी प्रिन्टर्स, पहाड़ी धीरज, दिल्ली–6

प्रश्न पत्र – MJY-C204 ✓ अर्जिताधिभार .06–05

एम.ए. द्वितीय–सत्र

संस्कारविवेचन–1 70+30=100 पूर्णांक

SANSKARA VIVECHANA-1

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।
6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।
10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 संस्कार
घटक–1 (क) संस्कार का अर्थ, अधिकारी, संख्या एवं प्रयोजन का प्रतिपादन
खण्ड–2 गर्भाधान संस्कार
घटक–1 (क) सामान्यप्रकरण का सामान्य ज्ञान
घटक–2 (क) गर्भाधान संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–2 (ख) गर्भाधान की विधि एवं महत्व का निरूपण
खण्ड–3 पुंसवन एवं सीमान्तोन्नयन संस्कार
घटक–1 (क) पुंसवन संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–1 (ख) पुंसवन संस्कार की विधि एवं महत्व का निरूपण
खण्ड–4 जातकर्म एवं नामकरण संस्कार
घटक–1 (क) जातकर्म संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–1 (ख) जातकर्म संस्कार की विधि एवं महत्व का निरूपण
घटक–2 (क) नामकरण संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–2 (ख) नामकरण संस्कार की विधि एवं महत्व का निरूपण
खण्ड–5 निष्क्रमण एवं अन्नप्राशन संस्कार
घटक–1 (क) निष्क्रमण संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–1 (ख) निष्क्रमण संस्कार की विधि एवं महत्व का निरूपण
घटक–2 (क) अन्नप्राशन संस्कार के अर्थ एवं समय का प्रतिपादन घटक–2 (ख) अन्नप्राशन संस्कार की विधि एवं महत्व का निरूपण

सन्दर्भग्रन्थ :

1. संस्कार विधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली, 6
2. संस्कारचन्द्रिका – सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकृष्ण लखनपाल, डब्ल्यू–77/11, ग्रेटर कैलाश–1, नई दिल्ली–48
3. संस्कारभास्कर – स्वामी विद्यानन्द सरस्वती
4. संस्कार विधिमण्डनम् – प्रो0 रामगोपाल शास्त्री
5. संस्कार समुच्चय – पं0 भरतमोहन विद्यासागर, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
6. हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय
7. पारस्कर गृह्यसूत्र – डॉ0 वेदपाल, सत्यार्थ प्रकाशन, कुरुक्षेत्र
8. षोडश संस्कार विवेचन – पं0 श्रीराम शर्मा

अर्जिताधिभार 04

✓ **MJY-C251** प्रयोगात्मक (मौखिक) – Practical (oral) **70+30=100 पूर्णांक**

प्रयोगात्मक परीक्षा (मौखिकी) 70 अंक की होगी और 30 अंक सत्रीय मूल्यांकन होगा। ज्योतिषज्ञान और वैदिक कर्मकाण्ड द्वितीय 11 सत्र के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न पूछे जायेंगे

प्रश्न पत्र – MJY-C301

अर्जिताधिमार 06-05

एम.ए. तृतीय–सत्र

तृतीय सत्र में **MJY-C301** और **MJY-C302** पत्र अनिवार्य होगा और ज्योतिर्विज्ञान **MJY-E301, MJY-302, MJY-303** में से एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का और वैदिक कर्मकाण्ड– **MJY-E304, MJY 305, MJY306** मेंएक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन विभागाध्यक्ष के परामर्श में करना होगा।

अनिवार्य पत्र

सूर्यसिद्धान्त

70+30=100 पूर्णांक

SURYA SIDHANT

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 मध्यमाधिकार
खण्ड – 2 स्पष्टाधिकार
खण्ड – 3 त्रिप्रश्नाधिकार
खण्ड – 4 ग्रहणाध्याय
खण्ड – 5 मानाध्याय / भूगोलाध्याय

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सूर्यसिद्धान्त विज्ञानभाष्य – (व्या0) महावीर श्रीवास्तव, लखनऊ
2. सूर्यसिद्धान्त गणपतिलाल शर्मा, हंस प्रकाशन, जयपुर, राजस्थान
3. सूर्यसिद्धान्त – रामचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. सूर्यसिद्धान्त – कपिलेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्न पत्र – MJY-C~~303~~ 302 अर्जिताधिमार 06 05

C302

तृतीय–सत्र

समूह–2 (वैदिक कर्मकाण्ड)

एम0ए0 तृतीय–सत्र

अनिवार्य पत्र

संस्कारविवेचन–2 70+30=100 पूर्णांक

SANSKARA VIVECHANA-2

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 चूडाकर्म एवं उपनयन संस्कार की विधि एवं महत्व
खण्ड – 2 कर्णवेध एवं वेदारम्भ संस्कार की विधि एवं महत्व
खण्ड – 3 समावर्त्तन संस्कार की विधि एवं महत्व
खण्ड – 4 विवाह की संस्कार
खण्ड – 5 वानप्रस्थ, संन्यास एवं अन्त्येष्टि संस्कार की विधि एवं महत्व

सन्दर्भग्रन्थ :

1. संस्कारविधि–स्वामी दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार, गोविन्दराम हासानन्द 4408, नई सड़क, दिल्ली–6
2. संस्कारचन्द्रिका–सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकुमार लखनपाल डब्ल्यू–77/11 ग्रेटर कैलाश–1 नई दिल्ली 48
3. संस्कारभास्कर– स्वामी विद्यानन्द सरस्वती
4. संस्कार विधिमण्डनम् – प्रो0 रामगोपाल शास्त्री
5. संस्कार समुच्चय – पं0 भरतमोहन विद्यासागर, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
6. हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय
7. पारस्करगृह्यसूत्र–डॉ0 वेदपाल, सत्यार्थ प्रकाशन,
8. षोडश संस्कार विवेचन– पं0 श्रीराम शर्मा

प्रश्न पत्र – MJY-E 301

अर्जिताधिमार 06 05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–1)

सिद्धान्तज्योतिष

70+30=100 पूर्णांक

SIDHANTJYOTISH

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 सिद्धान्तशिरोमणि गणिताध्याय – आदि से ग्रहानयनाध्याय पर्यन्त
खण्ड – 2 कक्षाध्याय से मध्यामाधिकार पर्यन्त
खण्ड – 3 स्पष्टाधिकार 1 से 38 श्लोकपर्यन्त
खण्ड – 4 स्पष्टाधिकार 39 से 77 श्लोकपर्यन्त
खण्ड – 5 पर्वसम्भवधिकार, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि–गणिताध्याय–भास्कराचार्य–व्याख्या गिरिजाप्रसाद
2. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य–टीकाकार मुरलीधर ठक्कर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. सचित्र ज्योतिषशिक्षा – गणित खण्ड प्रथम बी0ए0 ठाकुर
4. सिद्धान्तशिरोमणि–डॉ0 सत्यदेव शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्न पत्र – MJY-E 302 अर्जिताधिमार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–2)

मुहूर्त्तविज्ञान 70+30=100 पूर्णांक

MUHURTVIGYANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40

अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 नक्षत्र एवं मेलापक
खण्ड – 2 ग्रहमेलापक
खण्ड – 3 मुहूर्त्तविज्ञान एवं संस्कार
खण्ड – 4 मेलापकसमीक्षा
खण्ड – 5 ज्योतिषशास्त्र का समीक्षात्मक अध्ययन–सत्यार्थ प्रकाश, 11 समुल्लास के सन्दर्भ में

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि–गणिताध्याय–भास्कराचार्य–व्याख्या गिरिजाप्रसाद
2. सिद्धान्तशिरोमणि–भास्कराचार्य–टीकाकार मुरलीधर ठक्कर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. सचित्र ज्योतिषशिक्षा – गणित खण्ड प्रथम बी0ए0 ठाकुर
4. सिद्धान्तशिरोमणि–डॉ0 सत्यदेव शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्न पत्र – MJY-E 303

अर्जिताधिमार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–3)

आयुष एवं ज्योतिर्विज्ञान 70+30=100 पूर्णांक

AAYUSHA EVEM JYOTIRVIGYANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 रोगपरिज्ञान के प्रमुख सिद्धान्त
खण्ड – 2 रोगोत्पत्ति का सम्भावित समय
खण्ड – 3 आकस्मिक, आगन्तुक एवं असाध्यरोग विचार
खण्ड – 4 अदृष्ट निमित्तजन्य रोग
खण्ड – 5 रोगनिवृत्ति के ज्योतिष शास्त्रीय उपचार एवं समीक्षा

सन्दर्भग्रन्थ :

1. ज्योतिषशास्त्र में रोगविचार – डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. गदावली–चक्रधर जोशी
3. आयुर्वेद ज्योतिष पर विचार – वीरसिंहावलोकन
4. चिकित्सा ज्योतिष – डॉ0 चरक

प्रश्न पत्र – MJY-E 304 अर्जिताधिभार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–1)

श्रौतयाग(1) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA-1

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 सोमयाग परिचय **खण्ड – 2 अग्निष्टोम** **खण्ड – 3 ज्योतिष्टोम** **टिप्पणी – उक्त यागों के स्वरूप, भेद, विधि, महत्त्व एवं आध्यात्मिक, आधिदैविक तथा आधिभौतिक प्रतीकार्थो की जानकारी छात्रों से अपेक्षित है।**

सन्दर्भग्रन्थ :

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र, अध्याय 9, आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पुणे
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र, अध्याय 11, आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पुणे
3. वैतान श्रौतसूत्र, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर
4. वाराह श्रौतसूत्र, डॉ0 विलैम कैलेंड, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली

प्रश्न पत्र – MJY-E 305 अर्जिताधिभार 06 05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–2)

श्रौतयाग(2) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA - 2

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 अग्नाधान/पुनराधेय
खण्ड – 2 अग्निहोत्र–परिचय
खण्ड – 3 श्रौतविहित काम्य इष्टि परिचय
खण्ड – 4 महर्षि दयानन्द का कर्मकाण्डीय चिन्तन

सन्दर्भग्रन्थ :

1. शतपथ ब्राह्मण 2.1.1–22.23/वैखानस श्रौतसूत्र–1.1–2
2. शतपथ ब्राह्मण 2.2.4.1–18.2.3.1.1 /आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषट्क 2.2.6/ वैखानसश्रौतसूत्र–2.2.1–1
3. कात्यायन श्रौतसूत्र 9/11, वैखानस श्रौतसूत्र 12 (सम्पूर्ण)

प्रश्न पत्र – MJY-E 306 अर्जिताधिमार 06 05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–3)

तुलनात्मक कर्मकाण्ड 70+30=100 पूर्णांक

TULNATMAKA KARMKANDA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 **अंक**

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 **अंक**

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 शैव एवं वैष्णव धर्म सम्बन्धी
खण्ड – 2 बौद्ध एवं जैन धर्म सम्बन्धी कर्मकाण्ड
खण्ड – 3 यहूदी धर्म सम्बन्धी कर्मकाण्ड
खण्ड – 4 इसाई धर्म सम्बन्धी कर्मकाण्ड
खण्ड – 5 इस्लाम धर्म सम्बन्धी कर्मकाण्ड

सन्दर्भग्रन्थ :

1. धर्म, दर्शन, जौन, हिल, हिन्दी अनुवाद, राजेश कुमार सिंह, प्रेंटिश हॉल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली 2994
2. धर्म का स्वरूप आधुनिक अमेरिका में, हर्बर्ट डब्ल्यू श्रेडर, भारतीय भण्डार, इलाहाबाद
3. घर घर में पूजित हिन्दू देवी देवता–वैस्सिस्लिस जी0 विद्सक्सिस–राधाकृष्णन–दिल्ली
4. धर्म का आदि स्रोत–गंगा प्रसाद जज
5. सत्क्रियासार दीपिका

प्रश्न पत्र – MJY-C 351 अर्जिताधिभार ~~02~~ 04

एम0ए0 तृतीय–सत्र

प्रयोगात्मक (मौखिक) 70+30=100 पूर्णांक

PROYOGATMAK

प्रयोगात्मक परीक्षा मौखिकी 70 अंक की होगी और 30 अंक का सत्रीय मूल्यांकन होगा। प्रश्न ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड तृतीय सत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर पूछे जायेंगे।

प्रश्न पत्र – **MJY-C401** अर्जिताधिभार .06

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

नोट :– चतुर्थ सत्र में ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विषय में से प्रथम पत्र **MJY-C401** एवं द्वितीय पत्र **MJY-C402** अनिवार्य होगा तथा दोनों विषयों के वैकल्पिक प्रश्न पत्रों **MJY-E401, MJY-E402** एवं **MJY-E403, MJY-E404** अथवा **MJY-E461** लघु शोध में से किसी एक–एक पत्र का विभागाध्यक्ष के परामर्श से चयन करना होगा।

अनिवार्य पत्र — 70+30=100 पूर्णांक

वेदांगज्योतिष एवं भुवनकोष

VEDANGAJYOTISHA EVAM BHUVANKOSHA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 लगध ज्योतिष (आर्चज्योतिष) का ऐतिहासिक महत्व वेदांग ज्योतिष का वैशिष्ट्य एवं ज्योतिष शास्त्र की प्रशंसा
खण्ड – 2 आदि युगारम्भ, अयनज्ञान, अयनारम्भ की तिथियाँ, नक्षत्र विचार, ऋतु मास, प्रारम्भ, पर्वान्तनिर्णय, पर्व राशि कला
खण्ड – 3 भुवनकोश अध्याय 1 से 35 श्लोक तक
खण्ड – 4 भुवनकोश अध्याय 36 से 69 श्लोक तक
खण्ड – 5 ऋतुवर्णनाध्याय एवं यन्त्राध्याय

सन्दर्भग्रन्थ :

1. लगध ज्योतिष (याजुष व आर्च संस्करण) लगधाचार्य सुधाकर भाष्य, लघुविवरण, संस्कृत टीका, डॉ0 पुनीता शर्मा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली–2008
2. वेदांगज्योतिष – टीकाकार शिवराज आर्य, (सं0) शिवराज कोणिढययन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. वेदांगज्योतिष – (व्या0) कृष्णचन्द्र द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. सिद्धान्तशिरोमणि – भास्कराचार्य गोलाध्याय, पं0 केदारदत्त जोशी
5. वेधशाला परिचय – डॉ0 कल्याणदत्त शर्मा
6. वेधशाला परिचय – डॉ0 विनोद शर्मा
7. भुवनकोश – डॉ0 डी0पी0 त्रिपाठी, अमर प्रकाशन, दिल्ली
8. वेदांग ज्योतिष – डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्रा, दिल्ली

प्रश्न पत्र – MJY-C402 ✓ अर्जिताधिमार ~~06~~ 05

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

(अनिवार्य पत्र)

श्रौतयाग (3) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA-3

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 4x10=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 श्रौतयोगों के ऋत्विक परिचय
खण्ड–2 प्रकृति याग एवं विकृति याग, संख्या एवं परिचय
खण्ड–3 हविर्याग परिचय
खण्ड–4 दर्शयाग
खण्ड–5 पौर्णमासयाग

सन्दर्भग्रन्थ :

1. शतपथ ब्राह्मण काण्ड 1 (सम्पूर्ण), काण्ड–2, अध्याय 1, ब्राह्मण 2–7 तथा अध्याय 2, ब्राह्मण 1–7
2. कात्यायनश्रौतसूत्र अध्याय 2–4
3. इष्टि प्रयोग – डॉ0 रमेशचन्द्रदास शर्मा, मान्यता प्रकाशन, दिल्ली
4. कातीयेष्टि – दीपक, नित्यानन्द पर्वतीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
5. इष्टि हेतु – आश्वलायन श्रौतसूत्र, पूर्वषटक 28–15
6. अग्निहोत्र से लेकर अश्वमेधपर्यन्त यज्ञ– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक

प्रश्न पत्र – MJY-E401

अर्जिताधिभार 06-05

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–1

70+30=100 पूर्णांक

आर्यभट्टीय

ARYA BHATTIYA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

चतुर्थ सत्र में ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विषय में से प्रथम पत्र अनिवार्य होगा तथा दोनों विषयों के वैकिल्पक प्रश्न पत्रों में से किसी एक–एक पत्र का विभागाध्यक्ष के परामर्श से चयन करना होगा।

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

4x5=20 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

4x10=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 संख्याक्रम, वर्ग एवं घन निकालना, दो संख्याओं के गुणनफल का सूत्र
खण्ड–2 वृत, त्रिकोण एवं चौकोण का क्षेत्रफल, भुज, कोटि एवं कर्ण का वर्णन
खण्ड–3 ऐकिकनियम एवं मिश्रकव्यवहार
खण्ड–4 कुट्टल व्यवहार
खण्ड–5 गोलाध्याय

सन्दर्भग्रन्थ :

1. आर्यभट्टीयम्–आर्यभट्टकृत
2. आर्यभट्टीयम्– डॉ0 सत्यदेव शर्मा

प्रश्न पत्र – MJY-E402 ✓ अर्जिताधिमार ~~06~~ 05

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–2 70+30=100 पूर्णांक

बृहत्संहिता

BRIHATSANHITA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 सांवत्सराध्याय
खण्ड–2 ग्रहचाराध्याय–सूर्य, चन्द्र, राहु
खण्ड–3 ग्रहचाराध्याय–मंगल, बुध, बृहस्पति
खण्ड–4 ग्रहचाराध्याय–शुक्र, शनि, केतु
खण्ड–5 गर्भलक्षण, सद्योवृष्टि एवं भूकम्प

सन्दर्भग्रन्थ :

1. बृहत्संहिता – श्री अच्युतानन्द झा – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. बृहत्संहिता – डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र
3. बृहत्संहिता – भट्टोत्पलटीका संहिता
4. बृहत्संहिता – नागेन्द्र पाण्डेय

प्रश्न पत्र – MJY-E403 अर्जिताधिभार ~~06~~ 05

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–1 70+30=100 पूर्णांक

श्रौतसूत्र एवं शुल्वसूत्र

SHRAUTASUTRA EVEM SHULVA SUTRA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

4x10=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 ऋग्वेदीय श्रौतसूत्र
खण्ड–2 यजुर्वेदीय श्रौतसूत्र
खण्ड–3 साम एवं अर्थवेदीय श्रौतसूत्र
खण्ड–4 शुल्वसूत्र परिचय
खण्ड–5 वेदीनिर्माण

टिप्पणी – उक्त सूत्रग्रन्थों का परिचय एवं प्रतिपाद्य का ज्ञान छात्रों से अपेक्षित है।

सन्दर्भग्रन्थ :

1. वैदिक साहित्य का इतिहास, गजाननशास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्थान
2. आपस्तम्ब शुल्वसूत्र
3. बौधायन शुल्वसूत्र
4. कात्यायन–पारस्कर शुल्वसूत्र

प्रश्न पत्र – MJY-E 404

अर्जिताधिभार 06-05

एम0ए0 चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–2

श्रौतयाग (4)

70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA - 4

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 चातुर्मास्य (वैश्वदेव याग, वरुणप्रवास याग, शाकमेघ, सुनाशिरीय)
खण्ड – 2 आतिथ्येष्टि याग
खण्ड – 3 सौत्रामणी याग
खण्ड – 4 निरूढ पशुबन्ध याग

सन्दर्भग्रन्थ :

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र 5/वैदिक वाङ्मय में चातुर्मास्य यज्ञ–डॉ0 लालताप्रसाद द्विवेदी–पेन ने पब्लिशर्स, दिल्ली
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र 8
3. आश्वलायन श्रौतसूत्र 19/आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषटक 3.9/वैखानस श्रौतसूत्र 11.1.6
4. आश्वलायन श्रौतसूत्र 6/आश्वलायन श्रौतसूत्र पूर्वषटक 3.1.8/वैखानस श्रौतसूत्र 10
5. वैदिक पशु यज्ञ मीमांसा–डॉ0 कृष्ण आचार्य
6. वैदिक यज्ञ स्वरूप – पशुबलि विशेष सन्दर्भ–डॉ0 कृष्ण लाल

प्रश्न पत्र – MJY-E461

अर्जिताधिकार 06

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

वैकल्पिक पत्र–3

70+30=100 पूर्णांक

लघुशोध प्रबन्ध

LAGHUSODHA PRABANDA

दिशेष :– लघुशोध ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड में से किसी एक ही विषय में स्वीकार्य होगा।

प्रश्न पत्र – MJY-C451

अर्जिताधिभार 02

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

प्रयोगात्मक

70+30=100 पूर्णांक

PRYOGATMK

प्रयोगात्मक परीक्षा मौखिकी 70 अंक की होगी और 30 अंक का सत्रीय मूल्यांकन होगा। प्रश्न ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड चतुर्थ सत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर पूछे जायेंगे।